छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, रविवार 1 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-123 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

किसानों की हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार कृषि और किसान हैं। किसानों की समृद्धि को प्रदेश के विकास का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, खेती को आधुनिक बनाने और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में धान खरीदी के महत्व को रेखांकित करता है।

तीन वर्षों में धान खरीदी और भुगतान का व्यापक दायरा

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का





भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय

किसानों के हित में मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों को पुनः पंजीयन से छूट दी गई है। उन्हें धान विक्रय के लिए समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता भी नहीं होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबे का ऑनलाइन निर्धारण और बायोमेट्रिक आधारित खरीदी से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू होने से प्रदेश में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी।

कृषक उन्नति योजना से 35,904 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को अब तक 12,267.39 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

आधुनिक खेती, सिंचाई और फसल विविधीकरण पर जोर कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए वर्ष 2024-25 से अब तक 8,567 कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 678 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 46,615 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार हुआ है और किसानों को 201.07 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। एग्रीस्टैक के माध्यम से 19,751 गांवों की जियो-रेफरेंसिंग पूरी की जा चुकी है और 43 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन किया गया है।

सरदार पटेल जयंती

पीएम पहुंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, लौहपुरुष को दी श्रद्धांजलि; कहा- उनका योगदान प्रेरणादायक



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के पटेल चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरदार पटेल को नमन किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर देश भर में शनिवार यानी आज राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान वह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र में 426.71 करोड़ रुपये की लागत वाली पर्यटन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी 31 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पटेल चौक में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर श्रद्धांजलि दी।पीएम बोले- देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं सरदार पटेल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अखंड भारत के प्रणेता देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने एक सशक्त, समृद्ध और समर्थ भारत के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मां भारती की सेवा में उनका त्याग और समर्पण विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत है।

न्यूज इन शॉर्ट

सीएम योगी बोले- ऐसे लोगों का मिलकर मुकाबला करना होगा



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया। उन्होंने जातिवाद और क्षेत्रवाद को समाज की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर करने वाली बीमारी बताया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर समाज को बांटने वाली ताकतों पर प्रहार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता को तब खतरा होता है, जब हम जाति, क्षेत्र के नाम पर बंटते और कमजोर होते हैं। सीएम योगी ने कहा, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है, तब बीमारी होती है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद वही बीमारी है, जो समाज की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और फिर आक्रांताओं को हमला करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लौह पुरुष का अनुयायी वही हो सकता है जो भारत की एकता, सुरक्षा को सर्वोपरि रखता है।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच करने वाले अधिकारी को मिला अवॉर्ड, गृह मंत्री दक्षता पदक से सम्मानित



नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या के मामले की जांच का नेतृत्व करने वाले NIA अधिकारी संदीप चौधरी को गृह मंत्री दक्षता पदक-2026 मिला है। जानें उनके करियर और आतंकवाद विरोधी अभियानों का रिकॉड।पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या के मामले की जांच का नेतृत्व करने वाले NIA अधिकारी संदीप चौधरी को बड़ा सम्मान मिला है। उन्हें जांच के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम के लिए केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक-2026 से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को इस साल के पदक विजेताओं की सूची जारी की, जिसमें संदीप चौधरी का नाम भी शामिल है।संदीप चौधरी पहलगाम आतंकी हमले के मामले में मुख्य जांच अधिकारी रहे हैं। फिलहाल वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी में पुलिस उपमहानिरीक्षक के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की जांच का नेतृत्व किया था।

सुरक्षा एजेंसियों में मचा हड़कंप

पुंछ में आठ बकरियों के साथ LoC पार कर पीओके पहुंची महिला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एक महिला 8 बकरियों के साथ रूष्ट पार कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर चली गई। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला कथित तौर पर बकरियों को साथ लेकर नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) की तरफ चली गई। बकरियां भी एक दो नहीं बल्कि पूरी आठ थीं। घटना के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, महिला की पहचान करणी गांव निवासी मोहम्मद शफी की पत्नी रुबीना कौसर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला कल शाम (शुक्रवार, 30 अक्टूबर) करणी इलाके से आठ बकरियों के साथ रूष्ट पार कर क्क्च्च की तरफ चली गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जानकारी जुटाई जा रही है और तमाम पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिलाार कर दूसरी तरफ पहुंची।



पहले भी सामने आईं घटनाएं

हालांकि ये कोई पहला मौका नहीं है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास बकरियां चराते समय सीमा पार हो जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें स्थानीय नागरिक या उनके मवेशी अनजाने में दूसरी ओर चले जाते हैं। LoC पर कई क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों और कटीली तारों (फेंसिंग) के अभाव के कारण अक्सर सीमावर्ती गांवों के लोग या मवेशी रास्ता भटक जाते हैं। पुंछ और राजौरी सेक्टर में पूर्व में भी ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जहां स्थानीय महिलाएं या लड़कियां अनजाने में LoC पार कर गईं, जिन्हें सुरक्षा बलों ने हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद के जरिए वापस सौंप दिया।

हमारे वैज्ञानिक लगातार देश को गौरवान्वित कर रहे

ISRO की कामयाबी पर पीएम मोदी ने दी बधाई,

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'ह्वङ्घ-03 को ले जाने वाले GSLV-F18 के सफल प्रक्षेपण पर ISRO के हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई. पीएम ने आगे कहा 'यह मिशन हमारे स्वदेशी सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम, 'नाविक' (NavIC) को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. बेहतर क्षमताओं से लैस, महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भर बनने के हमारे प्रयासों को आगे बढ़ाएगा और ऐसी नेविगेशन सेवाओं में मदद



करेगा जिनसे हमारे लोगों को लाभ मिलेगा. हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का समर्पण और उनकी सूझबूझ लगातार हमारे देश को गौरवान्वित कर रही है'।इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन ने शुक्रवार (30 अक्टूबर) को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

तय 'जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट' में स्थापित

अपने ताजा अपडेट में, ISRO ने मिशन के सफल होने की पुष्टि की और बताया कि रॉकेट ने सैटेलाइट को उसकी तय 'जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट' में स्थापित कर दिया है. 420 टन वजन वाले इस तीन-चरण (थ्री-स्टेज) रॉकेट ने 2,232 किलोग्राम वजनी -03 सैटेलाइट को अपने साथ ले जाया. उम्मीद है कि यह मिशन भारत की स्वतंत्र सैटेलाइट नेविगेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

पुणे के फ्लैट में मिली महिला की लाश

लंदन में एमबीए की पढ़ाई संग पार्ट-टाइम जॉब, परिवार को बताए बिना लौटी भारत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

लंदन में पढ़ाई कर रही 34 साल की एक महिला पुणे में एक किराए के अपार्टमेंट में मृत पाई गई। उसके परिवार को लगता था कि महिला लंदन में पढ़ाई कर रही है। उसके माता-पिता को उसके भारत में होने का पता तब चला, जब उन्हें फूड डिलीवरी के कुछ ट्रांजेक्शन के बारे में जानकारी मिली।

मुग्धा देशमुख पुणे के फ्लैट में मृत मिली

पुणे- महाराष्ट्र में पुणे जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पुणे के एक फ्लैट में 34 साल की एक महिला मृत पाई गई, जबकि उसके परिवार का यह मानना था कि वह लंदन में पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने बताया कि महिला के माता-पिता को उसके भारत में होने का पता तब चला, जब उन्हें फूड डिलीवरी के कुछ ट्रांजेक्शन के बारे में जानकारी मिली। इसके कुछ दिनों बाद यह अनहोनी घटना सामने आई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुग्धा देशमुख जुलाई 2025 में एमबीए की पढ़ाई करने के लिए ब्रिटेन गई थी और अगस्त 2026 में चुपचाप भारत लौट आई थी। के गहुंजे इलाका स्थित एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में मिला।

लंदन पुलिस ने बताया अगस्त में ही ब्रिटेन छोड़ चुकी थी मुग्धा

मुग्धा का परिवार फोन और मैसेज के जरिए उसके संपर्क में था। हालांकि 24 अक्टूबर को परिवार के लोग उससे संपर्क नहीं कर पाए और उसका मोबाइल बंद हो गया। उसके पिता अविनाश देशमुख ने इस सप्ताह की शुरुआत में छत्रपति संभाजीनगर पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में यह बात कही।

यूपी में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर बनाने का ऐलान,

अश्विनी वैष्णव ने बताया किस रूट पर चलेंगी ट्रेनें, कितना लगेगा टाइम

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य में दिल्ली-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन के उत्तरी कॉरिडोर की घोषणा की है। ये प्रोजेक्ट यूपी और बिहार के शहरों को जोड़ेगा, जिससे यात्रा का समय मिनटों में सिमट जाएगा।

उत्तर प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वाराणसी के एक कार्यक्रम के दौरान राज्य में बहुत जल्द हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का उत्तरी कॉरिडोर बनाए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कार्यक्रम में जानकारी दी है कि इसके जरिए उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच का सफर मिनटों में सिमट जाएगा। इस नए प्रोजेक्ट के तहत दिल्ली से गुवाहाटी तक एक नया कॉरिडोर



बनकर तैयार होने जा रहा है, जो पूरे उत्तर भारत की परिवहन व्यवस्था को बदल देगा। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन का किराया फ्लाइट से भी कम होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷बहुत जल्द उत्तर प्रदेश को एक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट मिलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के 'नॉर्दर्न कॉरिडोर' (उत्तरी कॉरिडोर) को मंजूरी दे दी है। यह नॉर्दर्न कॉरिडोर दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा, और फिर आगे वाराणसी, पटना और अंत में गुवाहाटी तक जाएगा। आने वाले वर्षों में यह नॉर्दर्न कॉरिडोर पूरा हो जाएगा।

'दिल्ली में काम करें कानपुर में खाएं लड्डू'

रेल मंत्री ने बताया, ÷दिल्ली से आगरा जाने में 59 मिनट लगेगा। यानी एक घंटे से भी एक मिनट कम के समय में ये दूरी पूरी कर ली जाएगी। वहीं दिल्ली से कानपुर 1 घंटे 45 मिनट में पहुंच सकेंगे।÷

उन्होंने कहा, आप दिल्ली से यात्रा कर सकते हैं, कानपुर में 'ठग्गू के लड्डू' का आनंद ले सकते हैं और वापस दिल्ली आकर अपना काम फिर से शुरू कर सकते हैं। दिल्ली से लखनऊ 2 घंटे 12 मिनट में, जो दो प्रमुख राजधानियों को जोड़ेगा। उन्होंने कहा, काशी से लखनऊ 1 घंटे 21 मिनट में पहुंच सकेंगे। इससे पूर्वांचल के लोगों को बहुत बड़ा फायदा होगा।रेल मंत्री ने कहा, काशी से पटना सिर्फ एक घंटे में पहुंच सकेंगे। दिल्ली से वाराणसी 3 घंटे 33 मिनट में। अब आपको दिल्ली से काशी जाने के लिए फ्लाइट लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷इससे उत्तर प्रदेश, बिहार और यहां तक कि गुवाहाटी के लिए एक व्यापक कनेक्टिविटी नेटवर्क तैयार होगा।

न्यूज इन शॉर्ट

सभी नागरिकों से रायपुर शहर को स्वच्छ, सुन्दर, हरित बनाने आगे आकर सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील

रायपुर - रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ और नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी सहित नगर पालिक निगम रायपुर के समस्त एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, पार्षदों, एल्डरमैनों ने दिनांक 1 नवम्बर 2026 रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त नगरवासियों को अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए सभी नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शान्ति प्रदान करने की सामूहिक विनम्र प्रार्थना छत्तीसगढ़ महतारी के दिव्य श्रीचरणों में की है. इसके साथ ही सभी नगरवासियों से रायपुर को छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी के अनुरूप स्वच्छ, सुन्दर, हरित राजधानी स्मार्ट सिटी बनाने संकल्प लेकर आगे आकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की पुनः विनम्र अपील की है.



खबर का असर- BEO कार्यालय के आसपास की झाड़ियों की हुई सफाई, 1300 शिक्षकों की सर्विस बुक और अधिकारी के स्थानांतरण पर अब भी सवाल

बिलाईगढ़। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिलाईगढ़ की अव्यवस्थाओं और शिक्षकों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद आखिरकार कार्यालय के अगल-बगल और पीछे उगी झाड़ियों की सफाई करा दी गई है। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद भी कार्यालय से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं का समाधान होना बाकी है। ऐसे में अब जिला शिक्षा अधिकारी की अगली कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि कार्यालय में लगभग 1300 शिक्षकों की सर्विस बुक सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा, कार्यालय की खुली खिड़कियों, आगजनी के संभावित खतरे और लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारी को लेकर सवाल उठाए गए थे। खबर प्रकाशित होने के बाद झाड़ियों की सफाई होना राहत की बात है, लेकिन क्या केवल सफाई करा देना ही विभाग की जिम्मेदारी पूरी होने के लिए पर्याप्त है? सर्विस बुक की सुरक्षा पर अब भी सवाल कार्यालय में रखे शिक्षकों के महत्वपूर्ण सेवा अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। पूर्व में कुछ शिक्षकों की सर्विस बुक गायब होने संबंधी शिकायतें और आरोप भी सामने आए हैं, जिनकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में सवाल है कि क्या ष्शह्वह्व इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे? क्या संबंधित अभिलेखों का सत्यापन कराकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी शिक्षकों की सर्विस बुक सुरक्षित और उपलब्ध हैं? यदि दस्तावेज गायब पाए जाते हैं, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई होगी या नहीं? अनेक शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाएं गायब होने का आरोप, के लिए थाने में आवेदन प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासखंड बिलाईगढ़ अंतर्गत कार्यरत अनेक शिक्षकों की सर्विस बुक कार्यालय से गायब होने का आरोप लगाया गया है। शिक्षक संगठनों के कुछ पदाधिकारियों ने आशंका जताई है कि नई सर्विस बुक तैयार करने की प्रक्रिया की आड़ में अनियमितता की जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 25 से 30 शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाएं कार्यालय से गायब होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी वास्तविक संख्या और परिस्थितियों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो पाएगी। शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, शिक्षिका स्नेहलता ठाकुर की सेवा पुस्तिका गायब होने की बात उनकी उपस्थिति में सामने आई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित शिक्षिका को ब्लॉक कार्यालय बुलाकर सेवा पुस्तिका सही-सलामत पाए जाने का प्रमाण पत्र लिखवाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने की बात भी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। इसके साथ ही कथित रूप से गायब सेवा पुस्तिकाओं के स्थान पर नई कोरी सेवा पुस्तिकाएं लेकर उन्हें संधारित किए जाने की चर्चा है।

कुंवारपुर के विकास में नया अध्याय : दो वार्डों को जोड़ेगी नई सड़क, सुखमंती सिंह ने किया भूमिपूजन

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत कुंवारपुर के लिए आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। वर्षों से जिस सड़क की मांग ग्रामीण कर रहे थे, आज वह मांग पूरी होने जा रही है।

आज दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत कुंवारपुर के वार्ड क्रमांक 01 से वार्ड क्रमांक 02 को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण संपर्क सड़क का भव्य भूमिपूजन समारोह संपन्न हुआ।इस विकास कार्य की सौगात दी है जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 की कर्मठ एवं लोकप्रिय जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुखमंती सिंह ने। श्रीमती सिंह ने अपनी जिला पंचायत निधि से इस सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान कर, कुंवारपुर वासियों के दिलों में जगह बना ली है।

भूमिपूजन के शुभ अवसर पर श्रीमती सुखमंती सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया और समस्त ग्राम पंचायत कुंवारपुर वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अपने उद्बोधन में श्रीमती सिंह ने कहा, ÷मेरा संकल्प है कुंवारपुर का सर्वांगीण विकास। सड़क सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि विकास की धारा है। यह सड़क वार्ड 01 और वार्ड 02 के बीच की दूरी को ही नहीं, दिलों को भी जोड़ेगी। इससे बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को बाजार जाने और बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुँचने में अब कोई परेशानी नहीं होगी।÷



उन्होंने आगे कहा कि जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 के हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाना ही उनका लक्ष्य है। इस सड़क के बनने से वार्ड क्रमांक 01 और 02 के सैकड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव से होने वाली परेशानी अब खत्म हो जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों की गड़गड़ाहट से श्रीमती सुखमंती सिंह का आभार व्यक्त किया और कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने जो वादा किया था, उसे निभाया है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के ग्रामीण जन,सरपंच, पंचगण, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता, एवं बड़ी संख्या में युवा, बुजुर्ग और महिलाएं उपस्थित रहीं।



भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सभी की सहभागिता का संदेश दिया गया

रायपुर रेल मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह (26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026) के अंतर्गत भ्रष्टाचार के प्रति जन-जागरूकता फैलाने तथा समाज में ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का संदेश ÷समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा है। इस अभियान के माध्यम से लोगों को अपने दैनिक जीवन एवं कार्यक्षेत्र में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।इसी क्रम में भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने तथा समाज में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के प्रति जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से मार्केट में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित नागरिकों एवं रेलकर्मियों को भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सभी की सहभागिता का संदेश दिया गया। बच्चों द्वारा प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी और सत्यनिष्ठा आवश्यक है। इस अवसर पर लोगों से अपील की गई कि वे अपने दैनिक जीवन एवं कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा को अपनाएं तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से योगदान दें।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रेल कर्मियों को दिलाई एकजुटता एवं अखंडता की शपथ

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने वंदे भारत मैंटेनेंस डिपो का किया निरीक्षण, मैंटेनेंस प्रक्रिया एवं पिट लाइन का लिया जायजा

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज 31 अक्टूबर 2026 को बिलासपुर में वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने डिपो में स्थापित विभिन्न मशीनों, उपकरणों एवं स्वचालित प्रणालियों की कार्यप्रणाली, कार्यक्षमता एवं संचालन व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों से इनके संचालन एवं रखरखाव के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी मशीनों एवं उपकरणों का संरक्षा मानकों के अनुरूप सुचारू एवं संरक्षित संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने डिपो में स्थापित अत्याधुनिक ऑटोमेटिक कोच वॉशिंग प्लांट का भी अवलोकन किया। इस दौरान महाप्रबंधक के समक्ष वंदे भारत एक्सप्रेस रैक की धुलाई का भौतिक परीक्षण किया गया 7 उन्होंने प्लांट की कार्यक्षमता एवं स्वचालित धुलाई प्रक्रिया का जायजा लेते हुए डिपो में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर बल दिया।

इसके पश्चात लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर वंदे भारत डिपो में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई।



इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन सहित मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत मिशन की नियुक्तियों पर सवाल, 13 साल से जवाबदेही का इंतजार या व्यवस्था की अनदेखी

कोरिया। स्वच्छ भारत मिशन देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है। इस अभियान की सफलता केवल नारों, बैठकों और सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की ईमानदारी, जिम्मेदारी और जवाबदेही से तय होती है। लेकिन कोरिया और एमसीबी जिले में वर्ष 2013-14 के दौरान इस मिशन के तहत हुई नियुक्तियों को लेकर उठ रहे सवाल अब प्रशासनिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर चर्चा की मांग कर रहे हैं।सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन नियुक्तियों के समय शासन द्वारा निर्धारित नियमों और मापदंडों का पूरी तरह पालन किया गया था? क्या संबंधित कर्मचारियों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का विधिवत सत्यापन हुआ था? यदि नियुक्तियां नियमों के अनुरूप हुई हैं तो विभाग को दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

वहीं, यदि नियुक्ति प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो यह भी सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतने वर्षों तक जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? क्या विभागीय स्तर पर कभी नियुक्तियों की समीक्षा हुई? क्या कर्मचारियों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया? और यदि कार्य में लापरवाही की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो जवाबदेही किसकी है? विडंबना देखिए कि जिस मिशन का उद्देश्य देश को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और व्यवस्था में सुधार लाना है, उसी मिशन से जुड़ी नियुक्तियों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकारी योजनाओं में नियुक्तियां किसी की व्यक्तिगत सुविधा या विभागीय संरक्षण का माध्यम नहीं हो सकतीं। सरकारी पद जनता के धन से संचालित होते हैं,

राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का जिला नोडल अधिकारी ने लिया जायजा

कलेक्टर के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड का किया निरीक्षण, 2 नवंबर को शाम 4 बजे होगा जिला स्तरीय समारोह

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर जिला नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम ने समारोह स्थल स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड, मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह 2 नवंबर 2026 को शाम 4 बजे आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने आयोजन स्थल की तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के सुचारू संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर के निर्देशानुसार समारोह की जिम्मेदारियां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपी गई हैं। कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, सुव्यवस्थित व्यवस्था और आगंतुकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि राज्य स्थापना दिवस का आयोजन गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

निरीक्षण के दौरान उप नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, तहसीलदार विनीत कुमार सिंह, समीर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेश की गौरवशाली पहचान, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

महेंद्र शुक्ला कोरिया जिले की नवीन कार्यकारिणी के गठन और ब्लॉक स्तर पर संगठन मजबूत करने पर बनी सहमति,

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की अहम बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार से लेकर पत्रकारों के अधिकारों तक बनी रणनीति

एक सत बुलेटिन ➤ बैकुंठपुर

पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के लिए कार्यरत प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक बैकुंठपुर स्थित विश्राम गृह में संगठन के संस्थापक मनोज पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कोरिया जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी राजेन्द्र गुप्ता एवं संदीप की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ ही आगामी कार्ययोजना, जिले में संगठन के विस्तार तथा पत्रकारों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

जिले में संगठन विस्तार और नवीन कार्यकारिणी के गठन पर जोर

बैठक का प्रमुख उद्देश्य कोरिया जिले में संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत करना तथा नवीन जिला कार्यकारिणी का गठन करना रहा। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक ताकत उसकी जमीनी सक्रियता और सदस्यों के बीच आपसी समन्वय से निर्धारित होती है। इसी उद्देश्य से जिले के सभी ब्लॉकों में संगठन का विस्तार करने तथा सक्रिय एवं समर्पित पत्रकारों को संगठन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।



बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि संगठन को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रखते हुए ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों तक भी पहुंचाया जाए। ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर पत्रकारों की स्थानीय समस्याओं को संगठित तरीके से जिला एवं प्रदेश स्तर तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। नवीन कार्यकारिणी के गठन के माध्यम से संगठन को नई ऊर्जा और कार्यगत गति प्रदान करने पर भी मंथन हुआ।



पत्रकारों की अधिमान्यता और विज्ञापन वितरण का मुद्दा उठा

बैठक के दौरान पत्रकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। विशेष रूप से पत्रकारों की अधिमान्यता (एक्रिडिटेशन) की प्रक्रिया, उसके नियमों एवं पात्रता से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों तथा जनसंपर्क विभाग के माध्यम से समाचार पत्रों और पत्रकारों को मिलने वाले विज्ञापनों के वितरण में पारदर्शिता का विषय प्रमुखता से सामने आया। पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय से कार्य कर रहे अनेक पत्रकारों को विभिन्न प्रक्रियागत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं विज्ञापन वितरण की व्यवस्था भी ऐसी होनी चाहिए, जिसमें पात्रता, पारदर्शिता और समान अवसर के सिद्धांतों का पालन हो। पत्रकारों के हितों से जुड़े इन विषयों को संबंधित विभागों एवं शासन के समक्ष मजबूती से रखने की आवश्यकता पर सहमति जताई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इन मुद्दों को लेकर संगठन आगामी दिनों में क्रमबद्ध तरीके से पहल करेगा, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का सकारात्मक समाधान निकल सके।

रायपुर में ज्ञापन सौंपने की तैयारी, सदस्यों को सौंपी जाएंगी जिम्मेदारियां

बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों के अंतर्गत राजधानी रायपुर में प्रस्तावित ज्ञापन कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। पत्रकारों की अधिमान्यता, विज्ञापन वितरण में पारदर्शिता तथा अन्य महत्वपूर्ण मांगों को शामिल करते हुए संबंधित विभागों एवं शासन का ध्यान आकृष्ट कराने की कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्यक्रम को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने तथा आवश्यक जिम्मेदारियां निर्धारित करने पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को लेकर केवल बैठकों तक सीमित रहने के बजाय संगठित और लोकतांत्रिक तरीके से संबंधित अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाना जरूरी है। रायपुर में प्रस्तावित ज्ञापन कार्यक्रम इसी दिशा में संगठन का एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

कस्तूरबा आवासीय बालिका छात्रावास में बालिकाओं को किया जागरूक, गुड टच-बैड टच और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

महिला आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने बालिकाओं का किया मार्गदर्शन, अतिथियों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ सुकमा

बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कस्तूरबा आवासीय बालिका छात्रावास सुकमा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी शामिल हुईं। उन्होंने बालिकाओं को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' तथा गुड टच-बैड टच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन देते हुए शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मसुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बालिकाओं को गुड टच एवं बैड टच की जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श में अंतर पहचानना, अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहना तथा किसी भी अनुचित व्यवहार की स्थिति में आवाज उठाना बेहद जरूरी है। बालिकाओं को बताया गया कि वे किसी भी असहज परिस्थिति को





नजरअंदाज न करें और भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के संदेश 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के माध्यम से बालिका शिक्षा, समान अवसर और महिला सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने छात्रावास परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर शांति सेठिया, जिला मिशन समन्वयक(मिशन शक्ति से), डालिमा गौर सखी वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रशासक, पदमा नेताम विधिक सलाहकार ,करतम संगीता केस वर्कर,पूर्वा खापर्डे परामर्शदाता, दीपिका सिंह जेंडर विशेषज्ञ, सरस्वती कश्यप कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास अधीक्षका एवं सखी वन स्टॉप सेंटर के अधिकारी-कर्मचारी तथा कस्तूरबा आवासीय बालिका छात्रावास की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

बालिकाएं समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं-दीपिका

अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा कि बालिकाएं समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उन्हें शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने के साथ ही अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने बालिकाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी या असुरक्षा की स्थिति में बिना झिझक अपने अभिभावकों, शिक्षिकाओं अथवा संबंधित अधिकारियों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

टमटोरा और रामटेक में खेतों का निरीक्षण; धान की फसल गिरने और जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

चक्रवात 'अर्नब' से प्रभावित खरीफ फसलों का संयुक्त सर्वेक्षण कर रहे राजस्व और कृषि विभाग

बीमित किसान 72 घंटे के भीतर 14447 या व्हाट्सएप नंबर 7065514447 पर दें फसल क्षति की सूचना

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से खरीफ फसलों को हुई क्षति का आकलन करने के लिए राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी संबंधित बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त रूप से सतत निरीक्षण कर रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार सर्वेक्षण दल खेतों में पहुंचकर फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा ले रहे हैं, ताकि प्रभावित किसानों के फसल क्षति दावों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

इसी क्रम में 31 अक्टूबर को विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम टमटोरा और रामटेक में प्रभावित खेतों का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई किसानों के खेतों में धान की फसल गिरी हुई और जलभराव की स्थिति पाई गई। अधिकारियों ने फसल क्षति का अवलोकन कर प्रभावित खेतों और क्षेत्रवार नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सारंगढ़ ने संबंधित अधिकारियों को सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता से और शीघ्र पूरा करने तथा प्रभावित किसानों को नियमानुसार राहत एवं क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

उप संचालक कृषि श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि कृषि



विभाग मैदानी स्तर पर फसल क्षति के आकलन के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। उन्होंने जलभराव से फसल को होने वाली क्षति कम करने के लिए किसानों को प्रभावित खेतों से जल्द पानी निकालने की उचित व्यवस्था करने की सलाह दी। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों के माध्यम से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में फसलों का सतत निरीक्षण करने, वास्तविक स्थिति का आकलन करने और प्रभावित किसानों को बीमा कंपनी को सूचना देने की प्रक्रिया से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित फसलों को प्राकृतिक आपदा अथवा प्रतिकूल मौसम से क्षति होने पर किसानों को घटना की सूचना निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 72 घंटे के भीतर दर्ज करानी होगी। किसान कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन के टोल-फ्री नंबर 14447 अथवा व्हाट्सएप नंबर 7065514447 पर सूचना दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग के माध्यम से बीमा कंपनी को 72 घंटे के भीतर लिखित सूचना भी दी जा सकती है। समय-सीमा में सूचना देने से फसल क्षति दावे की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।

मोहम्मद साबिर का अंडर-14 छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम में चयन, अब भोपाल में दिखाएंगे दमखम

भटगांव। क्षेत्र के होनहार क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद साबिर, पिता श्री आसिफ खान, का चयन अंडर-14 छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम में हुआ है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। अब साबिर 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।मोहम्मद साबिर का चयन पेंड्रा मे आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। उन्होंने अपने खेल कौशल, बल्लेबाजी प्रतिभा और मेहनत से चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उनका चयन उनके क्रिकेट करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

साबिर की क्रिकेट प्रतिभा को सबसे पहले उनके प्रारंभिक कोच एवं शिक्षक लक्ष्मीकांत सोनी ने पहचाना। वे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (इंग्लिश मीडियम), भटगांव में शिक्षक हैं। साबिर की प्रतिभा और क्रिकेट के प्रति लगन को देखते हुए लक्ष्मीकांत सोनी ने उन्हें बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर दिलाने के उद्देश्य से रायपुर जाने के लिए प्रेरित किया।

वर्तमान में मोहम्मद साबिर रायपुर स्थित सीजी एजुकेशन अकादमी में अध्ययनरत हैं, जहां वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। साबिर दाएं हाथ के बल्लेबाज (ऋद्धद्धह्ल-ाड्डठ्ठस्रद्गस्र ङ्कह्लह्लह्यद्बड्डठ्ठ) हैं। उनकी इस सफलता में उनकी मेहनत, अनुशासन, परिवार के सहयोग और प्रारंभिक कोच के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अब भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में साबिर को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। क्षेत्रवासियों एवं खेलप्रेमियों को उम्मीद है कि वे राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर



छत्तीसगढ़ और भटगांव का नाम रोशन करेंगे।

मोहम्मद साबिर की इस उपलब्धि पर शिक्षकों, खेलप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तूफान से किसानों की फसलें बर्बाद, पटवारी हड़ताल पर, कौन करेगा आंकलन : प्रवेश दुबे

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

अर्नब तूफान के कारण सारंगढ़ बिलाइगढ़ जिले में किसानों की धान की फसल को हुए भारी नुकसान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रवेश दुबे ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वे कराने, नुकसान का आंकलन करने और पात्र किसानों को शीघ्र मुआवजा एवं फसल बीमा राशि का भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अर्नब तूफान ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। किसानों ने



दिन-रात मेहनत करके धान की फसल तैयार की, खाद-बीज एवं दवाइयों की व्यवस्था की, अब जब प्राकृतिक आपदा से फसलें बर्बाद हो रही हैं, तब किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि पटवारी हड़ताल पर हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसानों की फसलों के नुकसान का आंकलन कौन करेगा।

उन्होंने कहा कि फसल बर्बाद होने के बाद किसानों को तत्काल राहत की जरूरत है, लेकिन यदि सर्वे और नुकसान के आंकलन में देरी होती है तो किसानों को मुआवजा मिलने में भी देरी होगी। किसान पहले ही खेती की बढ़ती लागत और आर्थिक दबाव से जूझ रहे हैं।

नये धान खरीदी केंद्र के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने देवसागर से हटवाया बेजा कब्जा

देवसागर क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को मिलेगी सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

खरीफ विपणन वर्ष में किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य शासन द्वारा नये धान खरीदी केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर भटगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की शुरुआत हो रही है। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन खरीदी केंद्र के लिए चयनित शासकीय भूमि पर ग्रामीणों द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया था। जिसे हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा मुक्त कराया और धान खरीदी केंद्र के लिए जगह को सुरक्षित किया।





किसानों को हो रही थी परेशानी

देवसागर क्षेत्र के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए दूर के खरीदी केंद्रों में जाना पड़ता था। इससे उन्हें परिवहन में अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी होती थी। छोटे किसानों के लिए यह और भी बड़ी समस्या थी। कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉली न मिलने से धान समय पर नहीं बिक पाता था। राज्य शासन के निर्देशानुसार जब देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति मिली तो क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। शासन ने ग्राम पंचायत देवसागर में शासकीय भूमि को खरीदी केंद्र के लिए चयनित किया।

शासकीय भूमि पर था बेजा कब्जा

खरीदी केंद्र के लिए चयनित स्थान जो शासकीय भूमि थी, उस पर ग्रामवासियों ने अपनी आवश्यकता अनुसार कब्जा कर रखा था। किसी ने वहां मवेशी बांध रखे थे, तो किसी ने अस्थायी झोपड़ी बना रखी थी, तो किसी ने अपना सामान रख रखा था। यह कब्जा लंबे समय से चला आ रहा था। जब धान खरीदी केंद्र के लिए जगह की नाप-जोख की गई तो यह बात सामने आई कि पूरी जमीन पर बेजा कब्जा है। इसके बाद तहसील कार्यालय द्वारा ग्रामीणों को नोटिस देकर कब्जा हटाने को कहा गया।

तहसीलदार की टीम ने हटवाया कब्जा

बेजा कब्जा हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार परमेश्वरी तिलकवार के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बिना किसी जोर-जबरदस्ती के ग्रामीणों को समझाइश देकर कब्जा हटवाया। इस दौरान लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा से मुक्त कराया गया। ताकि 9 गांवों से आने वाले किसानों को खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान खरीदी के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आने-जाने, धान के रख-रखाव और तौल के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है, इसलिए इतनी बड़ी जगह को खाली कराना जरूरी था। तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार ने बताया कि बेजा कब्जा हटाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग किया और स्वयं ही अपना सामान हटा लिया। यह एक अच्छी पहल है कि किसान हित में ग्रामीणों ने खुद ही कब्जा खाली कर दिया।

ये रहे उपस्थित

बेजा कब्जा हटाने की इस कार्रवाई के दौरान ग्राम सरपंच देवसागर प्रतिनिधि उमाशंकर साहू, नई शाखा प्रबंधक पूरन साहू, पुलिस थाना भटगांव के सिपाही, ग्राम कोटवार, आर.आई. भटगांव तथा पटवारी की पूरी टीम के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अगले सप्ताह भटगांव, बिलाईगढ़, लेन्ध्रा और बरमकेला में भी लगेंगे शिविर

कुपोषण मुक्त जिले की दिशा में विशेष स्वास्थ्य शिविर, 44 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से बच्चों को दवाएं व पोषण सामग्री वितरित

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

कुपोषण मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में ष्टास्ह्र डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव के नेतृत्व मे जिला अस्पताल सारंगढ़ में कुपोषित बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग



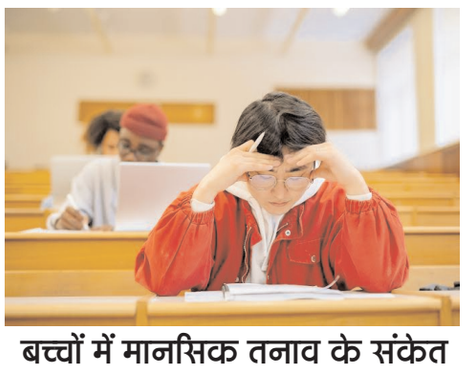
के समन्वय से हुए शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी जरूरत के अनुसार दवाएं और पोषण सामग्री उपलब्ध कराई गई।

शिविर में कुल 44 बच्चों की जांच की गई। इनमें सारंगढ़ परियोजना के 35 और कोसीर परियोजना के 9 बच्चे शामिल रहे। बच्चों को कैल्शियम, जिंक, सिट्रीजिन, पैरासिटामोल, आयरन, एंजाइम और एल्बेंडाजोल सहित आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। साथ ही प्रोटीन पाउडर तथा कैल्शियम और मल्टीविटामिन सिरप भी उपलब्ध कराया गया।

कुपोषण से प्रभावित बच्चों के स्वास्थ्य की समय पर जांच और उन्हें आवश्यक उपचार एवं पोषण सहयोग उपलब्ध कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। शिविर में विभागीय अमले ने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उनके उपचार और पोषण संबंधी जरूरतों पर ध्यान दिया। इस सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई।

इसी क्रम में आगामी सप्ताह परियोजना भटगांव, बिलाईगढ़, लेन्ध्रा और बरमकेला में भी विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों की तिथि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय के बाद संबंधितों को सूचित की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज इन शॉर्ट



बच्चों में मानसिक तनाव के संकेत पहचानेंगे शिक्षक

रायपुर। बच्चों में मानसिक तनाव के संकेत पहचानने और उनकी भावनात्मक जरूरतों को समझने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। रायपुर में 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षकों को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक समस्याओं की पहचान करने के तरीके बताए गए।यूनिसेफ और समग्र शिक्षा की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण में बस्तर संभाग के सात जिलों और धमतरी के चयनित शिक्षक शामिल हुए। प्रशिक्षण के बाद यह शिक्षक अपने-अपने जिलों में बाकी शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करेंगे।प्रशिक्षण में बच्चों की भावनात्मक स्थिति समझने, कक्षा में सुरक्षित माहौल बनाने और जरूरत पड़ने पर उन्हें उचित सहायता से जोड़ने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों की मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को समय रहते समझने में सक्षम बनाना है। समग्र शिक्षा के उप संचालक कौशिक ने कहा कि, आज बच्चों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। डॉक्टर या इंजीनियर बनने की चाह और पढ़ाई से जुड़ी अपेक्षाओं के कारण बच्चों पर दबाव रहता है। जरूरी है कि बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार भविष्य चुन सकें और उन पर अनावश्यक दबाव न हो।

यूनिसेफ छत्तीसगढ़ फील्ड ऑफिस की प्रमुख सीमा कुमार ने कहा कि, हर बच्चे को स्कूल में सुरक्षित और सम्मानित महसूस होना चाहिए। स्कूल, परिवार और समुदाय के बीच सहयोग से बच्चों को बेहतर मानसिक और मनोसामाजिक समर्थन मिल सकता है। उन्होंने बच्चों में सुरक्षा, पहचान और अपनेपन की भावना विकसित करने में मातृभाषा की भूमिका पर भी जोर दिया।

यूनिसेफ के शिक्षा विशेषज्ञ रवि राज दयाल ने कहा कि, बच्चों के सीखने के परिणाम बेहतर बनाने के साथ उनके मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर भी ध्यान देना जरूरी है। शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने से स्कूलों को बच्चों के लिए सुरक्षित और सहयोगपूर्ण बनाने में मदद मिलेगी।मोहभट्ठा फाटक 4-5 नवंबर को रहेगा बंद

रेलवे ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि फाटक बंद रहने के दौरान आने-जाने के लिए वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें।रेलवे ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि फाटक बंद रहने के दौरान आने-जाने के लिए वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में चौथी रेल लाइन बिछाने का काम किया जाएगा। इसके चलते दाधापारा-बिल्हा रेलखंड के मोहभट्ठा रेलवे फाटक को कुछ समय के लिए बंद रखा जाएगा। इस दौरान फाटक से सड़क वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी।रेलवे समपार क्रमांक 372 (किमी 732/9-11) मोहभट्ठा गेट पर चौथी रेल लाइन बिछाने का काम होना है। इसके लिए 4 नवंबर 2026, बुधवार की रात 10 बजे से 5 नवंबर, गुरुवार की सुबह 4 बजे तक फाटक बंद रहेगा।

फाटक बंद रहने के दौरान सड़क वाहनों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं होगी। इस वजह से वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी हो सकती है। रेलवे ने लोगों से तय समय को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाने की अपील की है।

रेलवे ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि फाटक बंद रहने के दौरान आने-जाने के लिए वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें। इससे उन्हें रास्ते में रुकना नहीं पड़ेगा।

कोर्ट बोला-जांच होगी, बिजनेसमैन बोला- खाते में 53 करोड़ से ज्यादा, टैक्स भी जमा किया

दुर्ग में जब्त 4 करोड़ लौटाने कारोबारी की याचिका खारिज

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग-भिलाई

दुर्ग में जब्त 4 करोड़ रुपए वापस मांगने पहुंचे कारोबारी कमलेश आर. शाह को कोर्ट से राहत नहीं मिली। शाह ने रकम लौटाने के लिए दो आवेदन लगाए थे। उनका दावा था कि उनके बैंक खाते में 53 करोड़ रुपए से ज्यादा हैं और जब्त रकम उनकी है।शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह की कोर्ट ने दोनों आवेदन खारिज कर दिए। कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच आयकर विभाग कर रहा है।जांच पूरी होने तक जब्त रकम कारोबारी को वापस नहीं दी जा सकती। फैसले में कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के पुराने फैसलों का भी हवाला दिया।दरअसल, खुर्सीपार पुलिस को 25 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे सूचना मिली थी। इसके बाद रायपुर-दुर्ग मुख्य मार्ग पर वाहन जांच के दौरान सफेद रंग की बोलेरो मैक्स पिकअप (छत्र 04 क्त 5996) को रोका गया। यह रायपुर से नागपुर जा रही थी।पुलिस ने पिकअप की जांच की तो उसका पिछला हिस्सा बदला मिला। इसे इस तरह बंद किया गया था कि, अंदर रखी चीजें बाहर से दिखाई न दें।बारीकी से तलाशी लेने पर पिछले हिस्से में सीक्रेट चेंबर मिला। इसे खोलने पर अंदर कैश रखा हुआ था। गिनती करने पर पुलिस को 500, 200 और 100 रुपए के नोटों में कुल 4 करोड़ रुपए मिले।पुलिस के अनुसार, पिकअप में दो लोग सवार थे। उनकी पहचान भवेशभाई जीनाभाई डाभी और विष्णुदेव दुबे के रूप में हुई है। डाभी गाड़ी चला रहा था।पुलिस ने रकम का हिसाब और दस्तावेज मांगे और संतुष्ट नहीं होने पर बीएनएसएस की धारा 106 के तहत गाड़ी और पूरी रकम जब्त कर ली।कारोबारी बोला- हमारा करोड़ों का कारोबार, खाते में 53 करोड़ से ज्यादा रकमकारोबारी कमलेश आर. शाह ने अपने वकील राकेश



पुरी के जरिए कोर्ट में आवेदन देकर जब्त रकम की वापसी की मांग की। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी नीना शाह मेसर्स मेक टेक (रू्स-स्थ्रष्टङ्मश्रष्ट) नाम से कृषि से जुड़ा कारोबार चलाती थीं। यह फर्म उद्योग आधार और केंद्रीय भंडार में रजिस्टर्ड है।कमलेश शाह के मुताबिक, फर्म हर साल करोड़ों रुपए का कारोबार करती है। टैक्स भी जमा करती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में फर्म ने 1 करोड़ 8 लाख 22 हजार 242 रुपए आयकर जमा किया था।वहीं, 2025-26 की ऑडिट रिपोर्ट में फर्म के पास नकद और बैंक खातों में कुल 53 करोड़ 93 लाख 69 हजार 148.72 रुपए होने की जानकारी दी गई।

पत्नी की मौत के बाद कानूनी वारिस

उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर 2025 को पत्नी की मौत के बाद अकोला कोर्ट ने उन्हें कानूनी वारिस घोषित किया है। उनकी बेटियां खुशबू और खुशाली भी कारोबार की कानूनी वारिस हैं। फिलहाल, वे तीनों मिलकर कारोबार संभाल रहे हैं। फर्म का एक ऑफिस नागपुर में भी है।

कारोबारी ने कोर्ट को बताया कि व्यापार के काम से समय-समय पर कैश एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है। 25 अक्टूबर को भी जेट ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की गाड़ी से 4 करोड़ रुपए रायपुर से नागपुर ले जाए जा रहे थे। गाड़ी में फर्म का कर्मचारी भावेश भाई डाभी भी मौजूद था।

सुरक्षा के लिए नोटों को गाड़ी के सीक्रेट चेंबर में रखा था

कारोबारी ने कोर्ट में कहा कि, इतनी बड़ी रकम पुलिस के पास रखे रहने से नोट खराब हो सकते हैं या चोरी होने का खतरा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए रकम वापस करने की मांग की।

साथ ही कोर्ट से यह भी कहा कि उसकी अनुमति के बिना 4 करोड़ रुपए किसी दूसरे विभाग या अधिकारी को न दिए जाएं और न ही कहीं ट्रांसफर किए जाएं।

पुलिस और आयकर विभाग ने किया रकम लौटाने का विरोध

पुलिस और आयकर विभाग ने कारोबारी की मांग का विरोध किया। उनका कहना था कि गाड़ी में पकड़े गए भावेश भाई डाभी और विष्णुदेव दुबे ने शुरुआती पूछताछ में इस रकम को जेट ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और जय श्री गोल्डन मार्केट, भनपुरी रायपुर के ट्रांसपोर्ट कारोबार का पैसा बताया था।

बाद में कमलेश शाह ने इसे मेक टेक फर्म का पैसा बताया। दोनों के बयानों में अंतर होने से रकम का असली मालिक और इसका सोर्स जांचना जरूरी है।

पुलिस ने यह भी बताया कि कमलेश शाह ने ऐसा कोई दस्तावेज नहीं दिया, जिससे साबित हो सके कि गाड़ी में पकड़े गए दोनों लोग उनके कर्मचारी हैं या उन्हें रकम ले जाने की अनुमति दी गई थी।

वहीं, आयकर विभाग ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में आयकर अधिनियम की धारा 132 समेत संबंधित प्रावधानों के तहत 9 पन्नों की जांच शुरू कर दी गई है। विभाग ने जांच पूरी होने तक रकम किसी को नहीं सौंपने की मांग की।

कोर्ट ने दोनों आवेदन खारिज किए

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह ने कमलेश शाह की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आयकर विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

3-5ए चढ़ेगा पारा:आज कुछ जिलों में बारिश के आसार

अर्नब का असर कम, अब बढ़ेगी गर्मी,



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में तूफान 'अर्नब' का असर कम हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में प्रदेश का अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। पिछले 24 घंटे में ज्यादातर इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ जगहों पर भारी बारिश दर्ज की गई।बेमेतरा जिले में दो दिन से हो रही बारिश के कारण कटाई के लिए तैयार धान की फसल भीग गई है। कई जगहों पर खड़ी फसल गिर भी गई है।किसान ओम वर्मा के मुताबिक, उनकी 25 से 30त्न फसल खराब हो चुकी है। बारिश जारी रही तो नुकसान 50त्न तक पहुंच सकता है। खेतों में पानी भरने और नमी से धान के दाने काले पड़ने, सड़ने और अंकुरित होने का खतरा है। किसानों ने फसल का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है।

दो जगहों पर बना लो प्रेशर एरिया

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे लगे मध्यप्रदेश में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके कारण प्रदेश में बारिश हो रही है।

इसके अलावा दक्षिणी अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार के पास भी कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

आज बिजली गिरने की चेतावनी

मौसम विभाग ने आज (शनिवार) प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, एक-दो जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। अगले दो दिनों के बाद भी कुछ जगहों पर बिजली गिरने की आशंका है।

रायपुर में बादल छाए रहेंगे

रायपुर में आज (31 अक्टूबर) बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

शुक्रवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.9 डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा है।

रायपुर में सुधांशु बोले- दिल्ली में बैठ गए 'दिमागी नक्सल' :त्रिवेदी ने कहा- कांग्रेस पहले EVM और अब वोटर लिस्ट पर उठा रही सवाल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और तेजी से एक मजबूत देश के रूप में उभर रहा है। यह बात दुनिया की कई ताकतों को पसंद नहीं आ रही है। इसलिए देश में तरह-तरह के षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब उनकी इच्छा के मुताबिक फैसला नहीं होता, तो उनका व्यवहार सामने आ जाता है।



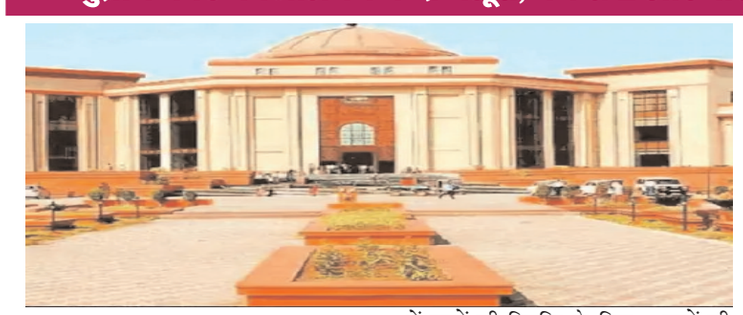
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर कांग्रेस के सवालों का जवाब देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए बीएलओ तीन बार घर जाते हैं।इस प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए राजनीतिक दल भी अपने एजेंट नियुक्त करते हैं। देशभर में ऐसे एजेंटों की संख्या करीब 22 लाख है।उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस अपने ही कार्यकर्ताओं की भूमिका पर सवाल उठा रही है? अगर जिला और प्रदेश स्तर के नेताओं ने समय पर आपत्ति दर्ज नहीं कराई, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

45 दिन तक आपत्ति दर्ज कराने का समय

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनाव परिणाम आए अभी 15 दिन ही हुए हैं, जबकि आपत्ति दर्ज कराने के लिए 45 दिन का समय दिया गया है। कांग्रेस को इस अवधि का इंतजार करना चाहिए या भ्रामक प्रचार करना चाहिए, यह उसे तय करना होगा।त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस पहले ईवीएम पर सवाल उठाती थी और अब मतदाता सूची पर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का मकसद सिर्फ सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि देश में अराजकता फैलाना है।उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की नीति बांटो और राज करो की थी, जबकि कांग्रेस बांटो और बर्बाद करो की नीति पर चल रही है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को मिलेंगे 6 नए जज

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दी मंजूरी, बेंच से 2 और बार से 4 नाम की सिफारिश



एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 6 नामों की सिफारिश को मंजूरी दी है। यह फैसला 30 अक्टूबर को हुई बैठक में लिया गया।

इनमें 4 अधिवक्ता और 2 न्यायिक अधिकारी शामिल हैं। कॉलेजियम की मंजूरी के बाद नियुक्ति की आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इन नामों की मिली मंजूरी

अधिवक्ता वर्ग से आनंद शुक्ला, रतन निधि पुस्टी उर्फ आरएन पुस्टी उर्फ रतन पुस्टी, शशांक ठाकुर और सौरभ शर्मा के नामों को मंजूरी मिली है। न्यायिक अधिकारी वर्ग से रजनीश श्रीवास्तव और बलराम प्रसाद वर्मा के नामों को मंजूरी दी गई है।

कॉलेजियम की मंजूरी नियुक्ति प्रक्रिया का एक चरण है। इसके बाद संबंधित औपचारिकताएं पूरी की जानी बाकी हैं।

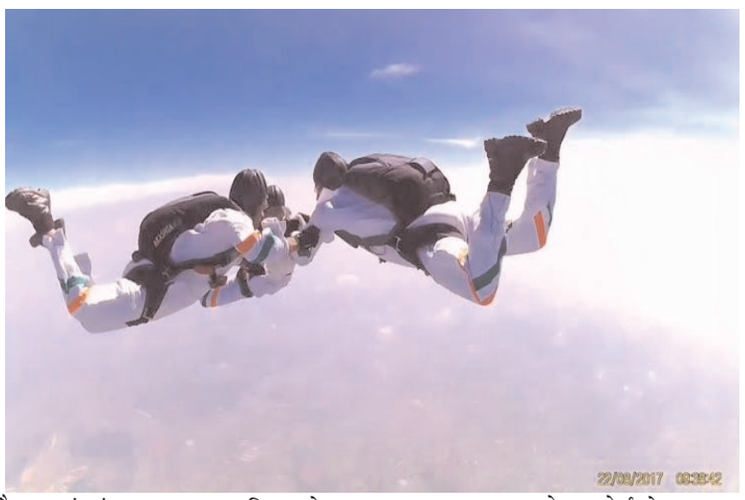
:राज्योत्सव में 1-2 नवंबर को आसमान में दिखेंगे सारंग के करतब,5 हेलिकॉप्टर बनाएंगे 10 तरह की आकृतियां

एयरफोर्स की स्काईडाइविंग टीम आकाशगंगा भी दिखाएगी दमखम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में इस बार आसमान में भारतीय वायुसेना के हैरतअंगेज करतब देखने को मिलेंगे। एयरफोर्स की सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम 1 और 2 नवंबर को पांच हेलिकॉप्टरों के साथ करीब 10 तरह के फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखाएगी। इसमें हवा में दिल की आकृति बनाने से लेकर हेलिकॉप्टरों के अलग-अलग दिशाओं में तेजी से बिखरने तक के प्रदर्शन शामिल हैं। दोनों दिन सुबह 11ः30 बजे से एयर शो शुरू होगा।एयर शो में सारंग टीम के अलावा वायुसेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेगी। वहीं, एमआई-17 हेलिकॉप्टर से विशेष स्लिदरिंग ऑपरेशन दिखाया जाएगा। इसमें जवान हेलिकॉप्टर से रस्सी के सहारे नीचे उतरते हुए दिखाई देंगे। वायुसेना के इन प्रदर्शनों के जरिए लोगों को उसकी ऑपरेशनल क्षमता, तकनीक और जवानों के प्रशिक्षण की झलक मिलेगी।आकाशगंगा टीम के आठ प्रशिक्षित





पैराशूट जंप इंस्ट्रक्टर एएन-32 विमान से 8 हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगाएंगे। टीम का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर आर्यन कैंत्युरा करेंगे। यह टीम आगरा स्थित पैराट्रूपर्स ट्रेनिंग स्कूल से आएगी। बता दें कि आकाशगंगा की स्थापना 10 अगस्त 1987 को एयरफोर्स स्टेशन आगरा में हुई थी। टीम ने 2019 के गणतंत्र दिवस समारोह में पैराशूट के जरिए 20म30 फीट का तिरंगा प्रदर्शित कर खास उपलब्धि हासिल की थी।

सारंग टीम के शो में पांच हेलिकॉप्टर एक साथ अलग-अलग आकृतियां बनाते हुए उड़ान भरेंगे। इनमें इनवर्टेड वाइनग्लास फॉर्मेशन में हेलिकॉप्टर हवा में उल्टे गिलास जैसी आकृति बनाएंगे। इंडिया फॉर्मेशन और डायमंड फॉर्मेशन में हेलिकॉप्टर विशेष ज्यामितीय आकृतियों में उड़ान भरेंगे।डॉल्फिन लीप में हेलिकॉप्टर डॉल्फिन की छलांग जैसी तेजी से ऊपर उठने और नीचे आने वाली मूवमेंट करेंगे। क्रॉस ओवर ब्रेक में हेलिकॉप्टर एक-दूसरे के सामने से गुजरते हुए अलग-अलग दिशाओं में मुड़ेंगे। डबल एरो क्रॉस में दो समूह तीर जैसी आकृति बनाते हुए एक-दूसरे को क्रॉस करेंगे।

मेश फॉर्मेशन में हेलिकॉप्टर एक-दूसरे के रास्ते से गुजरते हुए जाल जैसी आकृति बनाएंगे। लेवल क्रॉस में अलग-अलग दिशाओं से एक ही ऊंचाई पर उड़ते हुए हेलिकॉप्टर एक-दूसरे को क्रॉस करेंगे। हार्ट फॉर्मेशन में पांचों हेलिकॉप्टर सफेद धुएं से आसमान में दिल की आकृति बनाएंगे। वहीं, सारंग स्प्लिट में सभी हेलिकॉप्टर तेजी से अलग-अलग दिशाओं में बिखरते हुए दिखाई देंगे। यह टीम का सिग्नेचर करतब है।

आकाश चोपड़ा ने कहा- क्या चोटिल खिलाड़ी की जगह ही खेलेंगे



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

- पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में वैभव सूर्यवंशी को बाहर रखने पर सवाल उठाया है।
- ोपड़ा ने पूछा कि 'क्या आप वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तभी खिलाएंगे, जब कोई चोटिल होगा? या जब कोई उपलब्ध नहीं होगा?'ईशान किशन के फिट होकर लौटने के बाद सूर्यवंशी को चौथे मैच की प्लेइंग-11 से बाहर किया गया था। वे चोटिल ईशान की गैरमौजूदगी में दूसरे और तीसरे टी-20ढ्ढ में उतरे थे।चोपड़ा ने यू-ट्यूब में वीडियो पोस्ट किया
- चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'पिछले मैच में अभिषेक ने 100 रन बनाए। जबकि, वैभव फिफ्टी चूक गए। लेकिन बैटिंग बहुत अच्छी रही। सवाल यह था कि ईशान के फिट होने पर बाहर कौन जाएगा।'चोपड़ा ने कहा, 'अगर आप इसे सैद्धांतिक तौर पर देखें, तो जवाब वैभव सूर्यवंशी है, क्योंकि उन्होंने चोटिल किशन की जगह ली थी। लेकिन यह मैच सीरीज का नतीजा तय नहीं करने वाला था।' चोपड़ा ने कहा कि सूर्यवंशी को बाहर करने का फैसला बड़ा सवाल खड़ा करता है।
- चोपड़ा ने आगे कहा, 'अगर सूर्यवंशी को रेग्युलर मौके नहीं मिलने हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर फर्स्ट-क्लास खेलना चाहिए।
- चोपड़ा ने सूर्यवंशी के रोल पर रोडमैप बताने की मांग कीचोपड़ा ने टीम मैनेजमेंट से सूर्यवंशी की भूमिका को लेकर अपनी योजना और लंबे समय का विजन साफ करने की मांग की। उन्होंने युवा खिलाड़ी को बाहर किए जाने और टीम में उसका रोल क्लियर न होने पर निराशा जताई है।

एक ही समारोह में दो इंडिविजुअल अवॉर्ड अपने नाम किए हों



इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने साल 2026 का बैलन डी ओर अवॉर्ड जीत लिया है। बायर्न म्यूनिख के इस स्ट्राइकर ने न केवल यह अवॉर्ड जीता, बल्कि उसके अलावा गेर्ड मुलर ट्रॉफी जीतकर भी एक नया इतिहास रच दिया। ये पहली बार है जब किसी खिलाड़ी ने एक ही समारोह में दो इंडिविजुअल अवॉर्ड अपने नाम किए हों। हैरी केन ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने क्लब टॉटेनहम और पत्नी को दिया है, जिन्हें उन्होंने अपना बेस्ट फ्रेंड भी बताया।

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी को वनडे में मौका दो, युवराज सिंह ने की वकालत



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी को वनडे के लिए बैक किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों को वनडे टीम में लिया जाना चाहिए।अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी का धमाका ञ्ज20 क्रिकेट में तो खूब देखने को मिला है। लेकिन, अब उन्हें वनडे टीम में भी शामिल किए जाने की वकालत हो रही है। अभिषेक, वैभव और ईशान जैसे काबिल क्रिकेटरों को वनडे में जगह देने की वकालत टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने की है। युवराज ने कहा कि इन खिलाड़ियों को वनडे टीम में रेग्यूलर मौका देना चाहिए। ऐसा न करना उनकी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं है। बातचीत में बताया कि ईमानदारी से कहूं तो मैं अभिषेक को वनडे में देखना पसंद करूंगा, और मैंने यह पहले भी कहा है कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुन रहे हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी 2 वनडे के लिए चुने गए थे, अब पूरी सीरीज खेलेंगे

तेज गेंदबाज आकिब नबी प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भी भारतीय टीम में चुने गए हैं।।निवार को बताया कि आकिब को पहले चौथे और 5वें मैच के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब वे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।एक दिन पहले 30 अक्टूबर को प्रसिद्ध कृष्णा वनडे सीरीज से बाहर हुए थे। प्रसिद्ध जांघ की चोट (हैमस्ट्रिंग) से उबर रहे हैं। वे 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे। बी को कृष्णा का विकल्प माना जा रहा है। हलांकि, बोर्ड ने यह नहीं लिखा है कि नबी को कृष्णा की जगह टीम में लिया गया है।



नबी ने विंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था

आकिब नबी ने एक महीने पहले 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में वनडे में डेब्यू किया था। हालांकि, उस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था।

नबी भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी-20 टीम में मौका मिला है।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

- देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।
- कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला
- कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स-क्कह्लह्यह्यश्र से लेकर प्रीमियम स्क्कह्ल इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद:निफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ह्लह्ल, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3ह्ल की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जो सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74ह्ल
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18ह्ल
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95ह्ल

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74ह्ल
नैस्डैक	25837	+329	+1.29ह्ल
स्×क्क500	7509	+66	+0.89ह्ल

7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।



बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79ह्ल बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

- वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5ह्ल से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86ह्ल नीचे ?1295 पर बंद हुआ।
- विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79ह्ल बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28ह्ल बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79ह्ल बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

- कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

- कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।
- कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

- कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्का स्क्रह्ल27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28ह्ल की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वङ्घह्लङ्घष्ठ और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124ह्ल बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42ह्ल चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

- अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124ह्ल बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।
- कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3ह्ल चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।
- कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42ह्ल बढ़ा
- कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4ह्ल बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वङ्घह्लङ्घष्ठ) 30ह्ल बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वङ्घह्लङ्घष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9ह्ल से घटकर 31ह्ल पर आ गया।
- कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा
- कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

- कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली हैज
- ट्रांसमिशन बिजनेस- कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4ह्ल की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।
- डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस- इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5ह्ल बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।
- स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस- इसमें 200ह्ल से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।
- एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म- इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।



ऐसी संसद का औचित्य

हम आपको 20 अगस्त, 2010 का एक घटनाक्रम बताते हैं। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। डा. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और मीरा कुमार लोकसभा स्पीकर थीं। उस दिन लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हो चुकी थी, लेकिन सरकार के समर्थक दलों के 60 से अधिक सांसद लोकसभा हॉल में ही मौजूद थे। उनमें सपा के मुलायम सिंह यादव, राजद के लालू प्रसाद यादव, जनता दल-यू के शरद यादव समेत उन सांसदों ने एक 'नकली संसद' का आयोजन किया। अंग्रेजी में इसे 'मॉक पार्लियामेंट' कहते हैं। उसकी कृत्रिम कार्यवाही के मद्देनजर लालू यादव को 'प्रधानमंत्री' बनाया गया और वे सभी सांसद 'ट्रेजरी सीटों' पर बैठ गए। दिलचस्प यह है कि तत्कालीन भाजपा संसदीय दल के उपनेता गोपीनाथ मुंडे को 'कृत्रिम स्पीकर' की भूमिका दी गई। यह दीगर है कि पार्टी आलाकमान ने उन हरकतों के लिए मुंडे को खूब फटकार लगाई। कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। उस 'नकली संसद' का आयोजन कैबिनेट द्वारा पारित किए गए सांसद वेतन, भत्ते आदि के बिल और 'मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया' बिल के विरोध में किया गया था। यह ड्रामा करने वाले सांसद चाहते थे कि उनका वेतन ज्यादा बढ़ाया जाए। बहरहाल तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार को जब उस नाटक की जानकारी मिली, तो उन्होंने 'नकली संसद' के आयोजकों को फटकार लगाई, निराशा व्यक्त की और उसे 'असंसदीय' तथा 'असंवैधानिक' आचरण करार दिया। आज उसी मीरा कुमार ने 'एक और नकली संसद' की अध्यक्षता की है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुस्सा के खिलाफ महाभियोग के 'जन-संस्करण' पर चर्चा तय की गई थी। यह 'नकली संसद' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास पर आयोजित की गई। यदि 2010 का आचरण और आयोजन 'असंसदीय' और 'असंवैधानिक' था, तो कांग्रेस का यह नाटक भी गलत और आपत्तिजनक है।

(एक नजर)

संतान की रक्षा के लिए रखें अहोई अष्टमी व्रत

अहोई अष्टमी का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन किया जाता है। पुत्रवती महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। माताएं अहोई अष्टमी के व्रत में दिन भर उपवास रखती हैं और सायंकाल तारे दिखाई देने के समय अहोई माता का पूजन किया जाता है। तारों को करवा से अर्घ्य भी दिया जाता है। यह अहोई गेरू आदि के द्वारा दीवार पर बनाई जाती है अथवा किसी मोटे वस्त्र पर अहोई काढ़कर पूजा के समय उसे दीवार पर टांग दिया जाता है। अहोई अष्टमी का व्रत महिलाएं अपनी संतान की रक्षा और दीर्घ आयु के लिए रखती हैं। इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्री कृष्ण द्वारा कंस के भेजे धोबी का वध प्रदर्शन किया जाता हैअहोई माता के चित्रांकन में ज्यादातर आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है। उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अहोई माता का स्वरूप वहां की स्थानीय परंपरा के अनुसार बनता है। संपन्न घर की महिलाएं चांदी की अहोई बनवाती हैं।

विचार

इन 55 हजार मौतों की आशंका पर चर्चा तक नहीं

योगेंद्र योगी
लेकखव

देश में सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के लिए मौसम परिवर्तन के दुष्प्रभाव चिंता का विषय नहीं हैं। ऐसे परिवर्तनों की चपेट में आने वाले गरीब होते हैं। इनकी आवाज सुनने वाली देश में कोई सरकार नहीं है। सिर्फ इनकी सुनवाई के दावे किए जाते हैं, जबकि पर्यावरण के प्रभावों से बचाने के इंतजामों पर चर्चा तक नहीं होती है। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के जारी किए गए नक्शे के आंकड़े काफी डराने वाले हैं। अलनीनो के प्रभाव से उत्पन्न गर्मी से भारत में जहां 55200 लोगों की मौत होने की आशंका है।

सवाल यही है कि क्या देश के सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने अलनीनो के प्रभाव से होने वाली मौतें और पेयजल तथा कृषि की चुनौतियों से निपटने के कोई इंतजाम किए हैं। दरअसल इसकी चर्चा तक किसी राजनीतिक दल ने नहीं की है। करीब 50 हजार लोगों की संभावित मौतों का यह मसला देश के नेताओं के लिए चिंता की बात नहीं है। ये मौतें अचानक नहीं होंगी। गर्मी के प्रभाव और पानी की कमी और दूषित पेयजल की मजबूरी से होने वाली मौतें धीमी मौतें होती हैं। यही वजह है कि नेताओं को इसकी चिंता नहीं है। इसका प्रमुख कारण है कि ऐसी मौतों का मसला वोट नहीं दिला सकता। इसी वजह से हर साल पर्यावरण परिवर्तन से होने वाली मौतें कभी भी राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल नहीं की जाती हैंज्देश में सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के लिए मौसम परिवर्तन के दुष्प्रभाव चिंता का विषय नहीं हैं। ऐसे परिवर्तनों की चपेट में आने वाले गरीब होते हैं। इनकी आवाज सुनने वाली देश में कोई सरकार नहीं है। सिर्फ इनकी सुनवाई के दावे किए जाते हैं, जबकि पर्यावरण के प्रभावों से बचाने के इंतजामों पर चर्चा तक नहीं होती है। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के जारी किए गए नक्शे के आंकड़े काफी डराने वाले हैं। अलनीनो के प्रभाव से उत्पन्न गर्मी से भारत में जहां 55200 लोगों की मौत होने की आशंका है। इसके बावजूद यह मुद्दा देश के सत्तारूढ़ दलों की चिंता का सबब नहीं है। अल नीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर (अल नीनो के कारण गर्मी से होने वाली मौतों का ट्रैकर) नामक इस भयावह नक्शे के मुताबिक जून 2026 में शुरू होने वाली इस घटना से मार्च 2027 तक गर्मी के कारण 857400 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं, जो वैज्ञानिकों द्वारा एक महीने पहले लगाए गए अनुमान से 350000 ज्यादा हैं। इनमें से एक-तिहाई मौतें नाइजीरिया, भारत और ब्राजील में होने का अनुमान लगाया गया है।



शोधकर्ताओं का अनुमान है कि जून के बाद से अल नीनो के कारण 484500 अतिरिक्त मौतें हुई हैं। इसके कुछ असर इस तरह दिखे हैं। इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगना, भारत में अहम मानसूनी बारिश का न होना और मध्य अमरीका में सूखा पडना। अल नीनो की वजह से इन नौ महीनों की इस अवधि के अनुमान में लगाई गई आधी से ज्यादा अतिरिक्त मौतें अगले छह महीनों के भीतर होने की आशंका है और भारत पर इसका भयावह रूप देखने को मिल सकता है। इतिहास के पन्नों में 1877-1878 के सुपर अल नीनो को सबसे विनाशकारी मौसमी घटनाओं में गिना जाता है। उस दौरान इसके प्रभाव से भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों में भयंकर सूखा पड़ा था। लगातार बारिश न होने के कारण फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई थीं। इतिहास में इसे ग्रेट फेमाइन के रूप में जाना जाता है। इस अकाल के कारण भुखमरी और बीमारियों से दुनिया भर में करोड़ों लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र की सतह के तापमान में अत्यधिक वृद्धि उस सदी के सबसे बड़े जलवायु संकट का कारण बनी थी। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के सह-संस्थापक और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में अर्थशास्त्र के मिल्टन फ्रीडमैन डिस्टिंग्विश्ड सर्विस प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन ने कहा है कि सुपर अलनीनो पर हमारा शोध नई पूर्वानुमान क्षमताओं का इस्तेमाल करके हमारे सामने मौजूद सबसे जरूरी सवालों में से एक का जवाब देता है। अत्यधिक गर्मी के कारण कहां लोगों की जान जाने का खतरा है? अल नीनो एक मौसमी घटना है, जिसमें मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र

विचार

अमेरिका व उसके मित्र देशों की आंतरिक तैयारियां देख किसी बाहरी खतरे का हो रहा स्पष्ट आभाष?

कमलेश पांडे
लेखक

ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि अमेरिका यूरोप में तैनात अपने नाटो सैनिकों में से लगभग एक-तिहाई सैनिकों को वापस बुला सकता है। इससे पहले अमेरिका दक्षिण कोरिया से अपना थाड एयर डिफेंस सिस्टम भी हटा चुका है। अब इस बात को समझिए कि दक्षिण कोरिया से थाड हटने के बाद उत्तर कोरिया से आने वाले संभावित मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। ठीक उसी तरह, अगर अमेरिका यूरोप से अपने सैनिकों को वापस बुला लेता है, तो रूस के सामने यूरोप की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। और रूस के राष्ट्रपति पुतिन इसी स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं।यही वजह है कि यूरोप के देश अपनी सेना और रक्षा पर खर्च लगातार बढ़ा रहे हैं। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आम लोगों के लिए जरूरी सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च कम किया जा रहा है। यानी आम जनता की सुविधाओं पर दबाव बढ़ रहा है।

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं।अमेरिका अपनी वैश्विक बादशाहत बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की आग में झोंकने वाला है! चाहे तेल का खेल हो या फिर मजबूत सरकारों को अस्थिर करने का षड्यंत्र-अमेरिकी रणनीति हर मोर्चे पर पिटती हुई प्रतीत हुई। इसी की खीझ में अब वह खाड़ी और मध्य-पूर्व देशों, यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप में कुछ नया गुल खिलाने वाला है क्योंकि उसके %पालतू कुत्तों% के पांव भी अब जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं।इस बात की चुगली पूरी दुनिया की वह गिनी चुनी सरकारें कर रही हैं, जो ऐसी चेतावनियाँ दे रही हैं, जैसी शायद आखिरी बार दूसरे विश्व युद्ध से पहले देखने को मिली थीं। जहां एक तरफ अमेरिका का पेंटागन अपने सभी मिलिट्री बेस को ऑपरेशन फोर्ट्रेस के तहत तैयार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिकी सैन्य ठिकानों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि वे बाहर से खाना, पानी या किसी भी तरह की सप्लाई मिले बिना पूरे 90 दिनों तक अपना काम चला सकें।वहीं दूसरी तरफ, यूरोपीय देशों ब्रिटेन, नीदरलैंड और फ्रांस एवं एशियाई देश जापान ने अपने नागरिकों से कह दिया है कि वे कम से कम 72 घंटे तक काम आने वाला इमरजेंसी सामान अपने घर में जमा करके रखें। इसमें खाने-पीने की चीजें, पानी, दवाइयाँ और यहाँ तक कि नकद पैसे भी शामिल हैं, ताकि अगर बिजली, पानी और दूसरी जरूरी सुविधाएँ बंद हो जाएँ, तो लोग बिना किसी बाहरी मदद के कम से कम 72 घंटे तक अपना काम चला सकें। भले ही सरकारें इसकी आधिकारिक वजह खराब मौसम, एल नीनो, बिजली गुल होने और साइबर अटैक जैसी स्थितियों को बता रही हैं, लेकिन सर्वाधिक ध्यान देने वाली बात ये है कि कोई भी खुलकर %युद्ध% शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहा है।अब सवाल ये है कि आखिर अचानक दुनिया भर में ऐसी तैयारियाँ क्यों हो रही हैं? और अमेरिकी-यूरोपीय टारगेट पर आने वाले देश क्या तैयारियां कर रहे हैं? इसके पीछे सिर्फ दो संभावनाएँ हैं। पहली, ये सारी तैयारियाँ सिर्फ सुरक्षा के लिए की जा रही हैं और इनका किसी असली खतरे से कोई लेना-देना नहीं है। दूसरी, दुनिया की ये सारी सरकारें कुछ ऐसा जानती हैं, जिसके



बारे में वे अभी हमें बता नहीं सकतीं या जानबूझकर बता नहीं रही हैं। और अगर दूसरी बात सही है, तो आखिर वो क्या है?सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं।इसलिए पहले मैं ईरान की बात करता हूँ। अगर इस बार दोबारा युद्ध शुरू होता है, तो इसकी शुरुआत सबसे ज्यादा संभावना के साथ बाब अल-मंदेब के पास हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच टकराव से हो सकती है। इसका मतलब ये है कि तेल की सप्लाई पर खतरा सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बाब अल-मंदेब के रास्ते पर भी बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। और धीरे-धीरे ये संकट स्वेज नहर तक फैल सकता है।आपको बता दूँ कि स्वेज नहर दुनिया के व्यापार का एक बेहद अहम रास्ता है। दावा है कि दुनिया का लगभग 25त्न व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है। अगर ये रास्ता बंद हो गया, तो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के रास्ते लगभग कटकर रह जाएँगे। दुनिया भर में सामान पहुँचाने में भारी रुकावट आएगी और तेल की सप्लाई पर भी बहुत बड़ा असर पड़ सकता है।और ये सब उस समय हो रहा है, जब अमेरिका का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर %थियोडोर रूजवेल्ट% मिडिल ईस्ट पहुँचने वाला है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने अपने दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को भी मिडिल ईस्ट से निकलने के लिए कहा है। यानी अमेरिका वही तैयारियाँ दोबारा करता हुआ दिखाई दे रहा है, जैसी उसने इस साल 28 फरवरी को हुए हमले से पहले की थीं।और अब यूरोप की तरफ आइए। ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि अमेरिका यूरोप में तैनात अपने नाटो सैनिकों में से लगभग एक-तिहाई सैनिकों को वापस बुला सकता है। इससे पहले अमेरिका दक्षिण कोरिया से अपना थाड एयर डिफेंस सिस्टम भी हटा चुका है। अब इस बात को समझिए कि दक्षिण कोरिया से थाड हटने के बाद उत्तर कोरिया से आने वाले संभावित मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। ठीक उसी तरह, अगर अमेरिका यूरोप से अपने सैनिकों को वापस बुला लेता है, तो रूस के सामने यूरोप की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। और रूस के राष्ट्रपति पुतिन इसी स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं।यही वजह है कि यूरोप के देश अपनी सेना और रक्षा पर खर्च लगातार बढ़ा रहे हैं। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आम लोगों के लिए जरूरी सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च कम किया जा रहा है। यानी आम जनता की सुविधाओं पर दबाव बढ़ रहा है, लेकिन सेना और हथियारों पर खर्च बढ़ाने का सिलसिला रुक नहीं रहा है।

विचार

भाजपा के रणनीतिकारों के सामने कई सवाल छोड़ गया एमएलसी चुनाव!

- दीपक कुमार त्यागी
लेखक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट वाराणसी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के एमएलसी सीटों के इन चुनाव परिणामों के बाद अब पार्टी में ही संगठन की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर सवाल उठाने की गुपचुप सुगबुगाहट शुरू हो गई है।देश के चार राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक) की 28 विधान परिषद (एमएलसी) सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं, सभी राजनीतिक दल व विश्लेषक परिणामों का अध्ययन करके उसके अपने-अपने लाभ-हानि के हिसाब से मायने निकाल रहे हैं। लेकिन इस बार का यह चुनाव कई ऐसे सवाल छोड़ गया है जिनका जवाब राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों के साथ विशेषकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जल्द से जल्द तलाश ना होगा। क्योंकि भाजपा को अन्य दलों से अलग मानते हुए किसी व्यक्ति या परिवार की जागीर की जगह संगठन को सर्वोपरि मानने वाला राजनीतिक दल माना जाता है और वैसे भी अंदरूनी गुटबाजी से दूर अनुशासन वाली पार्टी मानने का दावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा हमेशा सार्वजनिक रूप भी किया जाता है। लेकिन एमएलसी के चुनावों के परिणामों पर



गौर करें तो उत्तर प्रदेश की हॉट सीट वाराणसी, लखनऊ व महाराष्ट्र में नागपुर जैसी हाईप्रोफाइल सीट पर हारने के पीछे भाजपा के कुछ राजनेताओं की अति महत्वाकांक्षा व अनुशासन का तार-तार होना बहुत बड़ी वजह माना जा रहा है। पहले पार्टी के अधिकांश राजनेता व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए धरातल पर नज़र आते थे, लेकिन लंबे समय से सत्ता का सुख लगातार भोगने के कारण अब पार्टी के कुछ राजनेताओं का अहंकार अपने चरम पर है और वह सत्ता के मद में चूर होकर के जनता को ठेंगा दिखाकर चिढ़ाते हुए पार्टी के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व तक के भी दिशा-निर्देशों की आये दिन अनदेखी करने का कार्य कर रहे हैं।

जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के दौर की भारतीय जनता पार्टी की पहचान एक ऐसे राजनीतिक दल के रूप में होती है, जिसके कार्यकर्ता व नेता किसी भी स्तर के चुनाव को हल्के में नहीं लेते हैं। लेकिन जिस तरह से उत्तर प्रदेश के एमएलसी चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन रहा है, उसने तो पार्टी के रणनीतिकारों को जीती हुई व हारी हुई सभी ही सीटों के परिणाम पर विस्तार से विश्लेषण करने के लिए सोचने पर मजबूर कर ही दिया है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव हैं, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को योगी सरकार के कार्यों के दम पर चुनावों में जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद है। जिस वक्त में यूपी के विधानसभा चुनाव सर पर हैं उस वक्त में पार्टी के शीर्ष रणनीतिकार एमएलसी चुनावों में हर सीट पर भाजपा प्रत्याशी की जीत का अंतर बढ़ाकर के विपक्षी दलों के जनता की अदालत से पैर उखाड़कर के भाजपा के पक्ष में माहौल बनाना चाहते थे। लेकिन सूत्रों के अनुसार लगातार मीटिंग व ईटिंग के बाद भी कुछ भाजपा नेताओं की ही चीटिंग के चलते भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का यह दांव जन अदालत में उल्टा हो गया है, जिसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को एमएलसी चुनावों की रणभूमि में कुछ सीटों पर हार के रूप में उठाना पड़ा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट वाराणसी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के एमएलसी सीटों के इन चुनाव परिणामों के बाद अब पार्टी में ही संगठन की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर सवाल उठाने की गुपचुप सुगबुगाहट शुरू हो गई है। वहीं कुछ राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो हाईप्रोफाइल सीटों के साथ-साथ बाकी सीटों पर भी जीत का अंतर भाजपा के कुछ अपने ही लोगों का भीतरघात, दावेदारों व अन्य जिम्मेदार लोगों के द्वारा सही ढंग से वोट नहीं बनवाने, प्रत्याशी चयन पर सवाल, संगठन के द्वारा बनाई गई जीत की रणनीति और कुछ अपनों के ही द्वारा चुनाव में की गयी चीटिंग की चीख-चीखकर के स्वयं ही पोल खोलने का कार्य रही है।ऐसी स्थिति में विचारणीय तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष 2027 में विधानसभा के चुनाव हैं, भाजपा के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व आये दिन चुनावी रणभूमि के लिए सटीक कारगर रणनीति बनाने के लिए छोटी व बड़ी मीटिंग करते रहते हैं और इन मीटिंग में केंद्रीय व प्रदेश स्तर के नेताओं से लेकर के भाजपा के मंडल स्तर के नेताओं व कार्यकर्ताओं तक की भी मौजूदगी समय-समय पर रहती है, मीटिंग में पार्टी के नेताओं के द्वारा चुनावी रणभूमि के लिए एक चाक-चौबंद रणनीति बनायी जाती है। लेकिन सूत्रों के अनुसार पार्टी में अब एक ऐसा लंबा-चौड़ा धड़ा तैयार हो गया है जो मीटिंग के बाद में ईटिंग कर निकलने के बाद से ही गुटबाजी व अपनी महत्वाकांक्षाओं के चलते संगठन सर्वोपरि के भाव का त्याग करके चीटिंग करने में लग जाता है। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश के 11 6 सीटें और समाजवादी पार्टी 5 सीटें जीती है।

न्यूज इन शॉर्ट

कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने जायजा लेकर समय पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के दिए निर्देश

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन को लेकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं वनमंडलाधिकारी श्री विपुल अग्रवाल ने आज कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंच निर्माण एवं साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने राज्योत्सव में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, जिले की उपलब्धियों एवं नवाचारों पर आधारित विभागीय स्टॉलों की तैयारियों की भी जानकारी लेकर व्यवस्थित प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि राज्योत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए समय से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, डिप्टी कलेक्टर श्री यशवंत देवांगन सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में नवंबर-दिसंबर माह में निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पुनरीक्षण की प्रक्रिया, निर्धारित समय-सीमा तथा दावा-आपत्ति के संबंध में अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार महासमुंद जिले की ओर से अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जगन्नाथ वर्मा, जिले के समस्त एसडीएम एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महासमुंद आस्था बोरकर, एसडीएम बागबाहरा नमिता मारकोले, एसडीएम सरायपाली तेजपाल सिंह ध्रुव, एसडीएम बसना हरिशंकर पैकरा, एसडीएम पिथौरा शुभम देव, तहसीलदार जुगल किशोर पटेल, सभी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निर्वाचन पर्यवेक्षक राकेश बारले, जिला मास्टर ट्रेनर तोषण गिरि गोस्वामी, सहायक प्रोग्रामर नागेश साहू, विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर खेमराज साहू एवं महेश ध्रुव सहित सभी विधानसभा क्षेत्रों के मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण में शामिल हुए।प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं के नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने के साथ ही मतदाता सूची में नाम विलोपन एवं संशोधन की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।

गोबरा नवापारा में शर्मनाक घटना! आयुष्मान अस्पताल के सामने नाली में मिला भ्रूण

अभनपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर जिले के गोबरा नवापारा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 7 में रेलवे स्टेशन रोड स्थित आयुष्मान अस्पताल के सामने नाली में एक भ्रूण मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने नाली में भ्रूण देखा और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन रोड पर रोजमर्रा के काम से गुजर रहे लोगों की नजर आयुष्मान अस्पताल के सामने नाली में पड़े भ्रूण पर पड़ी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इस घटना से स्थानीय लोग भी हैरान रह गए। इसके बाद बिना देर किए पुलिस को सूचना दी गई।

सुकमा में बस्तर फाइटर्स के 375 पदों पर बंपर भर्ती, 2 नवंबर से आवेदन

आवेदन करने की अंतिम तारीख 12 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है।

एक सत बुलेटिन ➤ सुकमा

छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे स्थानीय युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। सुकमा पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस विशेष कार्यपालिक बल के अंतर्गत फाइटर आरक्षक के 375 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इस भर्ती में केवल सुकमा जिले के पात्र स्थानीय निवासी ही आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 2 नवंबर 2026 से निर्धारित प्रारूप में ऑफलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 12 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक सुकमा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया गृह (पुलिस) विभाग के निर्धारित नियमों के तहत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को पुलिस बल में सेवा का अवसर उपलब्ध कराना है। भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कुल 375 फाइटर आरक्षक पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। इस भर्ती की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें केवल सुकमा जिले के स्थानीय निवासी पात्र उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते हैं। अन्य जिलों के अभ्यर्थियों को इस भर्ती में आवेदन करने की पात्रता नहीं दी गई है। ऐसे में सुकमा के उन युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है, जो पुलिस सेवा में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

315 पद स्त्र वर्ग के लिए आरक्षित

भर्ती विज्ञापन में आरक्षण नियमों के अनुसार विभिन्न वर्गों के लिए पद निर्धारित किए गए हैं। कुल 375 रिक्त पदों में अनुसूचित जनजाति (स्त्र) वर्ग के लिए सर्वाधिक 315 पद आरक्षित किए गए हैं। इसके अलावा अनारक्षित वर्ग के लिए 26 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्वब्ष्ट) के लिए 26 पद और अनुसूचित जाति (स्ष्ट) वर्ग के लिए 8 पद निर्धारित हैं। आवेदन प्रक्रिया 2 नवंबर 2026 से शुरू होगी। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी कार्यालयीन दिवस एवं निर्धारित कार्यालयीन समय में अपना आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। आवेदन स्वीकार करने की अंतिम समयसीमा 12 दिसंबर 2026 को शाम 5 बजे तक रखी गई है।

पुलिस विभाग ने आवेदन जमा करने के लिए विभिन्न कार्यालयों की व्यवस्था की है, ताकि जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को आवेदन करने में सुविधा मिल सके। अभ्यर्थी अपना आवेदन सीधे कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला सुकमा में जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कार्यालय सुकमा, दोरनापाल, कोण्टा, जगरगुण्डा और मरईगुड़ा में भी आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो अभ्यर्थी व्यक्तिगत रूप से कार्यालय नहीं पहुंच सकते, वे पंजीकृत भारतीय डाक के माध्यम से भी आवेदन भेज सकते हैं। इसके लिए आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कम्पोजिट भवन, भर्ती के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का प्रारूप और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित पुलिस कार्यालयों में उपलब्ध कराए गए हैं। अभ्यर्थी सुकमा जिले के समस्त पुलिस थानों, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालयों और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सूचना पटल पर भर्ती संबंधी जानकारी देख सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित शारीरिक मापदंड, शारीरिक दक्षता परीक्षा और लिखित परीक्षा से संबंधित नियम भी जारी किए गए हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले वे संबंधित भर्ती विज्ञापन में दिए गए सभी निर्देशों और पात्रता शर्तों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें।

जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट देखें

शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक मापदंड और अन्य आवश्यक शर्तों की तथा सुकमा जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे

राज्यपाल श्री डेका ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें किया नमन



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लौह पुरूष, राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार, भारत रत्न, सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आज लोकभवन में उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल श्री डेका ने अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे एवं लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने किया विभिन्न स्थलों का निरीक्षण

शहर के सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार की पहल

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

शहर के सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक स्थलों के बेहतर रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं वनमंडलाधिकारी श्री विपुल अग्रवाल ने आज नगर पालिका सूरजपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने शिव वन वाटिका पहुंचकर वहां उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने ट्री हाउस, बच्चों के लिए प्ले एरिया विकसित करने तथा स्व-सहायता समूह के माध्यम से कैंटीन संचालन की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने वाटिका को आकर्षक एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

तत पश्चात कलेक्टर ने शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय खेल मैदान परिसर पहुंचकर खेल सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने आवश्यक सुविधाओं से संबंधित समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्रीमती जमील ने खिलाड़ियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शौचालय, चेंजिंग रूम एवं वॉशरूम जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जायेगा।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गढ़कलेवा के संचालन की जानकारी लेते हुए इसे बेहतर एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही कृष्ण कुंज के व्यवस्थित रखरखाव, साफ-सफाई एवं संरक्षण को लेकर भी चर्चा की।

कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने दुलही तालाब का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने तालाब परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण, पर विशेष ध्यान देने को कहा।

राज्योत्सव में सजेगा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद, 02 नवंबर को होगी पाक कला प्रतियोगिता

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर पारंपरिक व्यंजनों को प्रोत्साहित करने के साथ ही पाक कला में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 02 नवंबर को दोपहर 01:00 बजे से अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड, सूरजपुर में पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में गृहिणियां, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालक सहित खाना बनाने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा तैयार व्यंजनों का मूल्यांकन स्वाद, पारंपरिकता, सामग्री के उपयोग, प्रस्तुतीकरण, स्वच्छता एवं व्यंजन संबंधी जानकारी के आधार पर किया जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 3 हजार 100 रुपये, द्वितीय स्थान पर 02 हजार 100 रुपये एवं तृतीय स्थान पर 1 हजार 100 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही तीन अन्य प्रतिभागियों को 500-500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।प्रतियोगिता के लिए प्रशासन की ओर से टेंट में स्थान एवं टेबल उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतिभागियों को बर्तन, मसाले, सब्जियां, गैस, चूल्हा एवं अन्य आवश्यक सामग्री स्वयं लानी होगी। होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालक अपने स्टॉल पर प्रचार-प्रसार के लिए बैनर एवं पोस्टर भी लगा सकेंगे।

100 रुपये पंजीयन शुल्क, इच्छुक प्रतिभागी करा सकेंगे पंजीयन

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 100 रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसे आयोजन स्थल स्टेडियम ग्राउंड पहुंचने पर जमा करना होगा। शुल्क जमा करने के पश्चात प्रतिभागियों को रसीद प्रदान की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के संबंध में अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के मोबाइल नंबर 8085148088 तथा एनआरएलएम कार्यालय के मोबाइल नंबर 9131876837 पर संपर्क किया जा सकता है। से प्रतियोगिता में सहभागिता करने की अपील की है।

जिला पंचायत CEO ने पीएम जनमन आवास एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण



एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

जिले में ग्रामीण विकास कार्यों को गति देने, शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा जल संरक्षण के कार्यों को प्रोत्साहित करने आज जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री अनुपमा आनंद ने जनपद पंचायत महासमुंद अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत मोंगरा में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के तहत आवास निर्माण कार्यों तथा वीबी-जी राम जी योजना अंतर्गत समोच्च खंती निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने ग्राम पंचायत बोरियाझर, कोसरंगी एवं कनेकेरा में भी समोच्च खंती निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यस्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समोच्च खंती जैसे कार्य महत्वपूर्ण हैं। इनके निर्माण में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का पालन करते हुए कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा जल का संचयन हो सके और भूजल स्तर में सुधार लाने में सहायता मिले।सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित तकनीकी सहायकों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी सहायक कार्यस्थलों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप क्रियान्वयन की निगरानी करें। साथ ही, कार्यों में किसी प्रकार की समस्या आने पर उसका समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो सकें। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने कार्यस्थलों पर श्रमिकों की उपस्थिति की भी जांच की। उन्होंने नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) के माध्यम से श्रमिकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज किए जाने की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

उन्होंने संबंधित रोजगार सहायकों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि कार्यस्थलों पर श्रमिकों की उपस्थिति नियमानुसार एनएमएमएस के माध्यम से दर्ज की जाए तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावीकार्य निष्पादन और पारदर्शिता आवश्यक है।

गांवों से बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसान शामिल हुए

कृषि विज्ञान केंद्र भलेसर में पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,680 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर महासमुंद जिले के 1,26,624 किसानों के खातों में 25.45 करोड़ रुपये अंतरित किए गए।

तत्वावधान में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस के दौरान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर (जुगनू) चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर तथा ग्राम पंचायत भलेसर-नयापारा के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि टीकेश्वर सिन्हा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह सहित जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसान शामिल हुए।

जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर (जुगनू) चंद्राकर ने किसानों को बिजली एवं पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने और रबी मौसम में दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने किसानों को फसल विविधीकरण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि खरीफ मौसम में धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं लघु धान्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रथम वर्ष में 15 हजार रुपये तथा द्वितीय वर्ष में 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों से जल संरक्षण, खेती की लागत कम करने तथा वैकल्पिक फसलों को अपनाकर कृषि आय बढ़ाने की अपील की।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत जिले में दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि अरहर 8,450 रुपये, मूंग 8,780 रुपये, उड़द 8,200 रुपये तथा मूंगफली 7,517 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए निर्धारित केंद्र बनाए गए हैं। इनमें कृषि उपज मंडी परिसर पिटियाझर, महासमुंद, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिर्री-पठारीमुड़ा, बागबाहरा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पिथौरा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति भंवरपुर, बसना तथा कृषि उपज मंडी परिसर सरायपाली शामिल हैं।

कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य, फसल अवशेष प्रबंधन, जैविक खाद के उपयोग, दलहन-तिलहन एवं लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने सहित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

राज्योत्सव 2026

सशक्त नारी, युवा उड़ान



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

शुभारंभ समारोह

01 नवंबर 2026

राज्योत्सव मैदान
नवा रायपुर अटल नगर
(छत्तीसगढ़)

मुख्य अतिथि

डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री,छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण
माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की

सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा **ट्राइबल हेरिटेज** व **ईको टूरिज्म** को बढ़ावा

सड़कों का विकास
₹40 हजार करोड़ से अधिक की लागत से राजमार्गों का विकास



विकास विश्वास विजन

संवर रहा छत्तीसगढ़

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को **₹20,708 करोड़** से अधिक की राशि अंतरित

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़
₹8.60 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

सेवा सेतु जनता के द्वार, डिजिटल सरकार
38 विभागों की 953 सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर

49660/54

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in